पुस्तक का आरम्भ ः-

हर बच्चे को भूख और प्यास लगती है।

उसे सूरज से उष्मा, वर्षा से जल, और प्यार और दुलार की ज़रूरत है।

उसे एक साथी की ज़रूरत है, जिसके साथ वह बात कर सके और जो उसकी बात को सुन सके।

वह आपकी आवाज़ को शुरू से ही पहचानता है। जब आप उसे कोई कहानी सुनाते हैं या कोई गाना गा कर सुनाते हैं तो वह आपको मन से ध्यान लगा कर सुनता है। वह आपको और आपकी बात को समझना चाहता है और सीखना चाहता है अपने शब्द और वाक्य बनाना।

एक पुस्तक, एक चित्र, एक कहानी, और वह तैयार है आपके साथ यात्रा करने के लिए। भाषा और उसके बुने हुए तिलिस्म की गुत्थी को सुलझाने की इन अनगिनत यात्राओं में किताबें आपकी और आपके बच्चे की हमसफ़र हैं।

इस सब के दौरान जो कुछ भी आप और आपके बच्चे के बीच घटित होता है, वह उसके विकास में सहायक है और उसके भावी जीवन की नींव का पत्थर है।